\_\_\_\_\_\_



#### असाधारण

### EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपक्षण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
ग्राधिकार से प्रकाश्यव

# PUBLISHED BY AUTHORITY

सं∘ 36]

नई बिल्ली, शनिवार, फरवरी 17, 1973/माघ 28, 1894

No. 361

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 17, 1973/MAGHA 18, 1894

इस भाग में भिन्म पूछ संस्था दी जाती हैं जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सर्च । Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation.

#### MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER

#### NOTIFICATIONS

New Della, the 17th February 1973

G.S.R. 63(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Water Engineering (Class I) Service Rules, 1965, published with the notification of the Government of India in the Ministry of Irrigation and Power No. GSR 1596, dated the 15th October, 1965, namely:—

- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Central Water Engineering (Class I) Service (Amendment) Rules, 1973.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette
- 2. Amendment of rule 20.—In the Central Water Engineering (Class I) Service Rules, 1965 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 20, for the proviso, the following proviso shall be substituted, namely:—
  - "Provided that a candidate already in Government service, whether in a permanent or a temporary capacity or as a work-charged employee other than a cusual or daily-rated employee, shall obtain prior permission of the Head of the Department or office concerned to appear for the examination."
  - 3. Amendment of rule 21.—In rule 21 of the said rules,—
    - (1) in sub-rule (2), in clause (f), for the word "Ceylon", the words "Sti Lanka" (formerly known as Ceylon) shall be substituted; and

(2) in sub-rule (4), for Note (iii), the following Note shall be substituted, namely:—

"Note (iii).—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at the examination, but has not been informed of the result, may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply, provided that the qualifying examination including the Practical training or Project work is completed before the commencement of the examination. Such candidates will be admitted to the examination if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to concellation if they do not produce proof of having passed the examination including the Practical training or Project work as soon as possible, and in any case not later than two months after the commencement of the examination."

[No. 1/73-F. 39/2/73-Adm,J.]

## सिवाई भौर विश्वत संत्राखय

## **अधिसूचना**एं

नई दिल्ली, 17 फरवरी, 1973

जी एस० भार० 63 (म्र).—संविधान की धारा 309 का परन्तुक द्वारा अदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये राष्ट्रपति एतद्वारा भारत सरकार, सिंचाई भीर विद्युत मंत्रालय की श्रिधसूचना सं० जी० एस० भार० 1596, दिनांक 15 अक्तूबर, 1965 के साथ प्रकाशित केन्द्रीय जलइंजी-नियरी (श्रेणी—एक) सेवा नियमावली. 1965 का भीर मंशोधन करते हुये निम्नलिखित नियम बनाते हैं नामण :

- संक्षिण्त शीर्थंक तथा प्रारम्भ (1) इन नियमों को केन्द्रीय जल इंजीनियरी (श्रेणी—एक) सेवा (संगोधन) नियमावली, 1973 कहा जाएगा।
  - (2) ये सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाणन की तारीख से लागू होंगें।
- 2. नियम 20 का संतोधन :--केन्द्रीय जल इंजीनियरी (श्रेणी---एक) सेवा नियमावछी, 1965 (जिसे इसके पश्चात् उक्त नियमावली कहा जाएगा) में नियम 20 के परन्तुक को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाए :--
  - "वणतें की श्रभ्यर्थी नें, जो पहले से ही सरकारी सेवा में स्थायी रूप में हो श्रयवा श्रस्थायी

    कप में श्रथवा श्राकस्मिक यां देनिक-केतन कर्मचारी के श्रतिरिक्त कार्य प्रभारित
    कर्मचारी के रूप में हो इस परीक्षा में बैठने के लिए सम्बन्धित विभाग श्रथवा
    कार्यालय के श्रथक की श्रनुज्ञा ली हो।"
  - 3. **नियम 21 का संशोधन.**—-उक्त नियमावली के नियम 21 मे
    - (1) खण्ड (च) में उप-नियम (2) में "सिलोन" शब्द के स्थान पर "श्री लंका (जिसे पहले सिलोन कहा जाना था) शब्द प्रतिस्थापित किया जाए ;
    - (2) उप-नियम (4) म नोट (iii) को निम्नलिखित नोट द्वारा प्रनिस्थापित किया जाए नामणः —
      - "नोट (iii).--वह प्रभ्यर्थी परीक्षा में प्रवेश के लिये भावेदन-पक्ष दे सकता है जो उस परीक्षा में वैठा है जिसमें उत्तीर्ण होने से वह इस परीक्षा में बेठने के योग्य हो सकता है किन्सु जिसे श्रभी इसके परिणाम से सूचित नहीं किया गया

है। वह अध्यर्थी भी आबेदन-पत्न दे सकता है जो ऐसी अहंकारी परीक्षा में बैठने का इच्छुक हो बक्कते कि व्यावहारिक प्रणिक्षण श्रयवा परियोजना कार्य समेत अर्हकारी परीक्षा, इस परीक्षा के श्रारम्भ होने से पूर्व समाप्त हो गई हो। यदि ऐसे अध्यर्थी अन्यथा योग्य होंगें तो उन्हें परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाएगा किन्तु यह प्रवेश अनिन्तम ही समझा जाएगा और यदि वे यथाशी झ और किसी भी हालत में परीक्षा के आरम्भ होने के दो महीने के अन्दर अन्दर व्यावहारिक प्रशिक्षण अथवा परियोजना कार्य समेन परीक्षा में उन्तीर्ण होने का प्रमाण नहीं देते तो इसे रह कर दिया जाएगा"।

[संख्या 1/73-एफ]39/2/73-प्रशासन-एक]

- G.S.R. 64(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Power Engineering (Class I) Service Rules, 1965, published with the notification of the Government of India in the Ministry of Irrigation and Power No. GSR 1597, dated the 15th October, 1965, namely:
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Central Power Engineering (Class I) Service (Amendment) Rules, 1973.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Amendment of rule 20.—In the Central Power Engineering (Class I) Service Rules, 1965 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 20, for the proviso, the following proviso shall be substituted, namely:—
  - "Provided that a candidate already in Government service, whether in a permanent or a temporary capacity of as a work-charged employee other than a casual or daily-rated employee, shall obtain prior permission of the Head of the Department or office concerned to appear for the examination."
  - 3 Amendment of rule 21.—In rule 21 of the said rules -
    - (1) in sub-rule (2), in clause (f), the word "Ceylon", the words "So Lanka (formerly known as Ceylon)" shall be substituted; and
    - (2) in sub-rule (4). For Note (in), the following Note shall be substituted, namely:
      - "Note (iii).--A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at the examination, but has not been informed of the result, may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply, provided that the qualifying examination including the Practical training on Project work is completed before the commencement of the examination. Such candidates will be admitted to the examination if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination including the Practical training or project work as soon as possible, and in any case not later than two months after the commencement of the examination."

[No. 2/73-F. 39/2/73-Adm.I.]

A. S. SHARMA, Jt. Secy.

जी० एस० म्रार० 64 (म्र) .—संविधान की भारा 309 के परन्तुक द्वारा प्रदेस शक्तियों का प्रयोग करते हुये राष्ट्रपति एतद्वारा भारत सरकार, सिचाई मौर विद्युत् मंत्रालय की श्रधि-सूचना संठ जी० एस० ग्रार० 1597 दिनांक 15 श्रवत्वर, 1965 के साथ प्रकाशित केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी (श्रेणी-एक) सेवा नियमावली, 1965 का भीर मंशोधन करते हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, नामशः---

- संिष्त शीर्थक हवा प्राःभ (1) इन नियमों को केन्द्रीय विद्युत् इंजीिन्यरी (श्रेणी-एक) सेवा (संशोधन) नियमावली, 1973 कहा जाएगा ।
  - (2) ये सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।
- 2. तियम 20 का संज्ञोधन केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी (श्रेणी-एक) सेवा नियमावली, 1965 (जिसे इसके पश्चात् उक्त नियमावली कहा जाएगा) ये नियम 20 के परम्तुक को नियम-लिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाए :---

"बगर्ते कि अभ्यर्थी ने, जो पहले से ही सरकारी सेवा में, स्थायी रूप में हो अथवा अस्थायी रूप में अथवा आकस्मिक या वैनिक क्लेन कर्मचारी के अतिरिक्त, कार्य प्रभारित कर्मचारी के रूप में हो, इस परीक्षा में बैठने के लिये सम्बन्धित विभाग अथवा कार्यालय के अध्यक्ष की अनुज्ञा ली हो"

- 3. नियम 21 का संशोधन -- उक्त नियमावली के नियम 21 में,---
  - (1) खण्ड (च) में उप-नियम (2) में "सिलोन" शब्द के स्थान पर "श्री लंका (जिसे पहले सीलोन कहा जाता था)" शब्द प्रतिस्थापित किया जाये,
  - (2) उप-नियम (4) में, नोट (तीन) को निम्नलिखित नोट द्वारा प्रतिस्थापित किया जावे नामण:---

"नोट (iii) वह अभ्यर्थी परीक्षा में प्रवेश के लिये आवेदन-पत्न दे सकता है जो उस परीक्षा में बैठा है जिसमें उत्तीणं होने से वह इस परीक्षा में बैठने के योग्य हो सकता है किन्तु जिसे अभी इसके परिणाम से सूचित नहीं किया गया है। यह अभ्यर्थी भी आवेदन पत्र वे सकता है जो ऐसी अहंकारी परीक्षा में बैठने का इच्छुक हो वणतें कि व्यावहारिक प्रशिक्षण अथवा परियोजना कार्य समेत अहंकारी परीक्षा, इस परीक्षा के आरम्भ होने से पूर्व समाप्त हो गई हो। यदि ऐसे अभ्यर्थी अन्यथा योग्य होंगे तो उन्हें परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाएगा किन्तु यह प्रवेश अनित्तम ही समझा जाएगा और यदि वे यथाशीझ और किसी भी हालत में परीक्षा के आरम्भ होने के दो महीने के अन्दर अन्दर अवव-हारिक प्रशिक्षण अथवा परियोजना कार्य समेत परीक्षा में उत्तीणं होने का प्रमाण नहीं वेते तो इसे रह कर दिया जाएगा"।

[संख्या 2/73-एफ 39/2/73-प्रणासन-एक] धानन्द स्वरूप णर्मा, संयुक्त मचित्र।